

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला



४१/६५६:४

श्रीरघुनाथतर्कवागीशप्रणीतः

# आगमतत्त्वविलासः

भाषाभाष्यसंवलितः

[ प्रथमो भागः ]

भाषाभाष्यकारः

श्री एस० एन० खण्डेलवाल



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

वाराणसी



५९/६९६.१

## विषयानुक्रमणिका

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
मङ्गलाचरण	१	सदाशिव से लेकर मनुष्य तक	
ग्रन्थ में सन्दर्भित ग्रन्थों का नाम	२	का सृष्टिक्रम	३२
प्रथम परिच्छेद के प्रतिपाद्य विषयों का विवेचन	५	कुण्डलिनी-स्वरूप	४१
द्वितीय परिच्छेद के प्रतिपाद्य विषयों का विवेचन	१०	कुण्डलिनी से मन्त्रोत्पत्ति	४२
तृतीय परिच्छेद के प्रतिपाद्य विषयों का विवेचन	१५	मुख में वर्णोत्पत्ति का प्रकार तथा	
चतुर्थ परिच्छेद के प्रतिपाद्य विषयों का विवेचन	१६	आश्रय	४४
पञ्चम परिच्छेद के प्रतिपाद्य विषयों का विवेचन	१८	वर्ण का शिव-शक्तिस्वरूपत्व	४४
नामानुशासन-संकेत	२०	दीक्षा-लक्षण विचार	४५
बीजों का उद्धार एवं बीजवाचक शब्द	२०	शब्दस्वरूप मन्त्र के दान तथा	
स्वर वर्णवाचक शब्द	२३	ग्रहण का तात्पर्य	४९
व्यंजन वर्णवाचक शब्द	२५	दीक्षा के नितान्त काम्यत्व का निर्णय	५०
एक शब्दस्थल पर वर्णवाचकत्व तथा स्थलविशेष में बीजवाचकत्व की युक्ति	२८	दीक्ष का अर्थ	५४
मन्त्रकूटघटक व्यंजन वर्णों की अदन्तता का खण्डन	२८	गुरुलक्षण	५५
कूटलक्षण-विचार	२९	गुरु के दोष	५७
कूटघटक व्यंजन वर्णों के अकारान्त रूप में उच्चारण की युक्ति	३०	पिता, मातामह तथा कनिष्ठ से	
सृष्टिक्रम	३२	दीक्षाग्रहण का निषेध	५९
निर्गुण पुरुष तथा शक्ति का स्वरूप	३२	कनिष्ठ का अर्थ	६१
		यति, संन्यासी से दीक्षा का निषेध	६२
		पितृदीक्षा का प्रायश्चित्त तथा इस	
		सम्बन्ध में अनेक तथ्य	६३
		स्त्री के निकट दीक्षा की प्रशस्तता	६६
		स्वप्न में प्राप्त मन्त्रग्रहण की विधि	६८
		गुरु के अभाव में मन्त्रग्रहण	
		का वर्णन	६८
		शिष्य का लक्षण	७०
		शिष्यपरीक्षा-काल	७२

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
मन्त्र के देयत्व तथा अदेयत्व का विचार	७२	ऋणी-धनी चक्र का अन्य प्रकार	१४२
मन्त्र तथा विद्या का लक्षण	७८	चक्रविचार में नामग्रहण-प्रकार	१४४
दीक्षा में मासादि-निर्णय	८०	वैरी मन्त्र-त्याग प्रकरण	१४५
दीक्षा में शुभाशुभ वार-निर्णय	८१	महाविद्या-निर्णय	१४८
दीक्षा में शुभाशुभ तिथि-निर्णय	८२	संदिग्ध वर्ण-निर्णय	१५०
दीक्षा में शुभाशुभ नक्षत्र-निर्णय	८४	उपासना-फल-निर्णय	१५४
दीक्षा में शुभाशुभ योग तथा करण	८५	मन्त्र के दस संस्कार एवं प्रयोग	१५५
समया शुद्धि-निर्णय	८८	मातृका यन्त्र	१६१
मांगलिक कार्य-निषेध काल	८९	दीक्षा में पूर्वकृत्य	१६२
चरणाङ्कित वर्षा तथा अकाल वर्षा में कालशुद्धि विधि	९८	दीक्षा-प्रक्रिया	१६३
निषिद्ध तिथियों में तिथिविशेष	१०१	घट का परिमाण-प्रकार	१६४
युगाद्य	१०२	पञ्चपल्लव	१६६
युग-प्रादुर्भाव	१०३	नवरत्न	१६६
मन्वन्तर	१०४	घटस्थापन-प्रयोग	१६७
ग्रहण तथा संक्रान्ति में दीक्षा का महत्त्व	१०६	मन्त्रसूतकद्वय की निवृत्ति	१६८
दीक्षाकल्प	१०८	गुरुदक्षिणा	१७३
नाड़ीचक्रादि विचार	११०	क्रियावती दीक्षा	१७३
कुलाकुल चक्र-निरूपण	११२	कलावती दीक्षा	१७६
मित्रादि वर्ण-फल	११३	दीक्षा-प्रयोग	१७८
षट्पद चक्र	११४	संक्षेप दीक्षा	१८४
अष्टवर्ग चक्र	११५	सर्वतोभद्र मण्डल	१८६
राशि चक्र	११६	स्वल्प सर्वतोभद्र मण्डल	१९०
नक्षत्र चक्र	१२०	नवनाभ मण्डल	१९०
मन्त्र एवं नक्षत्र में गणों के फल	१२१	पञ्चाब्ज मण्डल	१९१
अकथहादि चक्र	१२५	दीक्षा के पश्चात् गुरु-शिष्य कृत्य	१९२
अंश चक्र	१३३	करमाला	२०८
अकडम चक्र	१३५	मालाभेद	२१०
ऋणी-धनी चक्र	१३७	बाह्य पूजा में माला	२१३
		जपगणना का नियम	२१४
		माला-संस्कार	२१८
		मालाधारण में अंगुलि-नियम	२१९



विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
सर्वसम्मत माला-संस्कार	२२१	बलिदान-प्रयोग	२४३
रुद्राक्ष-माहात्म्य	२२८	शत्रुबलि	२५२
रुद्राक्ष-संस्कार	२३०	पूजा-स्थान	२५३
महाशंख माला-संस्कार	२३१	आशौच आदि में वर्ज्यावर्ज्य	२५४
यन्त्रसंस्कार	२३४	पञ्चयज्ञ	२५४
त्रिलोही मुद्रा	२३७	वाम-दक्षिण भाव से पूजाव्यवस्था	२७०
बलि-विधि	२४२	आगम-प्रशंसा	२७६